डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मानवता और पाप, सत्र 6, पॉलिन ईश्वर की छवि की पुनर्स्थापना, इफिसियों 4:22-24

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 6 है, मसीह में छवि की पॉलिन पुनर्स्थापना, इफिसियों 4:22-24।

हम मानवशास्त्र, विशेष रूप से ईश्वर की छवि का अपना अध्ययन जारी रखते हैं।

अधिक विशेष रूप से, छवि की पुनर्स्थापना के बारे में पौलुस का सिद्धांत। हमने कुलुस्सियों 3:9, और 10 का अध्ययन किया और सीखा कि ज्ञान से संबंधित छवि की पुनर्स्थापना है। अब हम इफिसियों 4:22 से 24 पर जाते हैं जहाँ हम सीखते हैं कि छवि में पवित्रता और धार्मिकता में पुनर्स्थापना शामिल है।

संदर्भ इफिसियों 4:17 से 19 तक है। अब, मैं यह कहता हूं, और प्रभु में गवाही देता हूं, कि जैसे अन्यजाति अपने मन की व्यर्थता के अनुसार चलते हैं, वैसे ही तुम अब से न चलो। वे अपनी बुद्धि में अन्धकारमय हो गए हैं, और अपने मन की कठोरता के कारण उस अज्ञानता के कारण जो उनमें है, परमेश्वर के जीवन से अलग किए हुए हैं।

वे कठोर हो गए हैं और कामुकता में लिप्त हो गए हैं, हर तरह की अशुद्धता का अभ्यास करने के लिए लालची हैं, लेकिन यह वह तरीका नहीं है जिससे आप मसीह को सीखते हैं। पौलुस ने अपने पाठकों को उपदेश दिया है कि वे पाप में न जिएँ जैसा कि उद्धार न पाने वाले करते हैं, आयत 17 से 19 तक। दिलचस्प बात यह है कि कुलुस्सियों के संदर्भ से मिलता-जुलता संदर्भ है।

जिन विश्वासियों को पौलुस ने लिखा है, उन्हें अधर्मी तरीके से जीना नहीं सिखाया गया था जब उन्होंने सुसमाचार में मसीह के बारे में सीखा था। इफिसियों के अध्याय 4:20 और 21, लेकिन आपने मसीह के बारे में इस तरह नहीं सीखा, यह मानते हुए कि आपने उसके बारे में सुना है और आपको उसके बारे में सिखाया गया है जैसा कि यीशु में सत्य है। इसके विपरीत, इन मसीहियों को पवित्र जीवन जीना सिखाया गया था।

पौलुस ने 22 से 24 आयतों में तीन क्रियाविशेषणों का इस्तेमाल करके इस नए ईश्वरीय जीवन के महत्व को सिखाया है जो पुराने पापी जीवन की जगह लेता है। इन क्रियाविशेषणों को मूल रूप में देखा जा सकता है, जो आपको सिखाई गई बातों के लिए एक मिश्रित प्रत्यक्ष वस्तु के रूप में कार्य करता है, या ज्ञानमीमांसा के रूप में, सत्य को पूरक करता है। और अच्छे लोग इन दो विकल्पों के बारे में असहमत हैं।

मुझे लगता है कि मैं बाद वाले को पसंद करता हूँ जैसा कि ज़र्विक , NCB में मिल्टन और NICNT में ब्रूस करते हैं। कुलुस्सियों 3:9 और 10 और इफिसियों 4:22 से 24 हरमन रिडरबोस के सूचक

और निर्देशात्मक के बीच के अंतर को अच्छी तरह से दर्शाते हैं। रिडरबोस की पुस्तक *पॉल, एन आउटलाइन ऑफ़ हिज़ थियोलॉजी*, पृष्ठ 253 से 258, 270, 271 देखें।

इसके अलावा , फिलिप्पियों 2:12 और 13 को भी देखें। कुलुस्सियों 3 में, पौलुस कुलुस्सियों के विश्वासियों को बताता है कि उनके साथ क्या हो चुका है। उन्होंने पुराने मनुष्यत्व को उतार दिया है और नए मनुष्यत्व को पहन लिया है।

इफिसियों 4:22 से 24 में, पौलुस अपने पाठकों को पुराने मनुष्यत्व को उतारकर नए मनुष्यत्व को धारण करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह पौलुस के विचारों का एक नमूना है। वह अक्सर इस बारे में बात करता है कि मसीह में परमेश्वर ने अपने लोगों के लिए क्या किया है।

वह संकेतात्मक रूप में बोलता है, ऐसा कहा जा सकता है। दूसरे संदर्भ में, वह परमेश्वर के लोगों को वही काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा जो उसने पहले ही कहा है कि परमेश्वर ने उनके लिए किया है। यह अनिवार्य है।

यहाँ कोई विरोधाभास नहीं है। यह पौलुस का सिखाने का प्रभावशाली तरीका है कि मसीही जीवन परमेश्वर के उद्धारक कार्य पर आधारित है। उपदेश संकेतात्मक रूप में आधारित हैं।

और दूसरा, परमेश्वर के लोग मसीही जीवन में सक्रिय रूप से शामिल हैं। मसीही जीवन सिर्फ़ हमारे उद्धार में आनन्दित होना नहीं है, यह संकेतात्मक है। इसमें अनिवार्यता शामिल है।

इसमें परमेश्वर के अनुग्रह और उद्धार में आनन्दित होने के आधार पर परमेश्वर के लिए जीना शामिल है। परमेश्वर का मुफ़्त उद्धार हमारा हो जाता है। और हम परमेश्वर ने उनके लिए जो किया है, उसके प्रकाश में जीवन जीकर इसका अनुभव करते हैं।

इफिसियों 4, 22, 20. यह वह तरीका नहीं है जिससे आप मसीह को सीखते हैं, यह मानते हुए कि आपने उसके बारे में सुना है और उसमें सिखाया गया है जैसा कि यीशु में सत्य है। अर्थात्, 4:23, ah, 22.

पुराने व्यवहार के अनुसार, पुराने मनुष्यत्व को उतार फेंकना, छल की अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होना है। और अपने मन की आत्मा में, पुनः नया होने का विचार है। और नए मनुष्यत्व को पहिन लेना, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है।

बहुत शाब्दिक रूप से। इफिसियों 4:22 में, पौलुस अपने पाठकों से कहता है, तुम अपने पिछले चालचलन के अनुसार, अर्थात् पुराने मनुष्यत्व को फिर से वस्त्र के रूप में उतार देते हो। यह तुम्हारी छलपूर्ण अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होना है।

वे स्वाद को गुणात्मक जननात्मक, तथाकथित हिब्रू जननात्मक के रूप में ले रहे हैं। पाठकों को बताया जाता है कि वे अपनी पापपूर्ण पूर्व-ईसाई जीवनशैली से छुटकारा पा लें, जिसमें धोखेबाज़ इच्छाएँ शामिल हैं। पौलुस हमें अपने मन के दृष्टिकोण में नयापन लाने की शिक्षा देता है।

पद 23 में, पॉल ने उनके मानसिक दृष्टिकोण में नवीनीकरण का आह्वान किया है। वर्तमान क्रियाविशेषण, अन्य उत्तराधिकारी हैं, का अर्थ प्रगतिशील कार्रवाई को इंगित करने के रूप में लगाया जा सकता है। इसलिए, एफएफ ब्रूस ने इफिसियों पर अपनी टिप्पणी में कहा।

उन्हें अपनी सोच में लगातार नया बनते रहना है। तीसरा क्रियापद 24 में पाया जाता है। उन्हें नया मनुष्यत्व धारण करना है, जो परमेश्वर के अनुसार सच्ची धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है।

एलेथियोस एक और गुणात्मक जननात्मक शब्द है। इसलिए सत्य की धार्मिकता और पवित्रता के बजाय, इसे विशेषण बनाइए। सच्ची धार्मिकता और पवित्रता।

यह मसीह यीशु में नई आत्मिक सृष्टि की बात करता है। इफिसियों 2:10, 2:15, कुलुस्सियों 3:10, 2 कुरिन्थियों 5:17, गलातियों 6:15 की तुलना करें। यह नई सृष्टि का मूल भाव हर जगह है। इफिसियों 2:10, अनुग्रह से तुम विश्वास के द्वारा बचाए गए हो।

यह उद्धार तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है, और न उन कामों के अनुसार, जिन पर कोई घमण्ड न करे। क्योंकि हम उसकी रचना हैं, और मसीह यीशु में सृजे गए हैं।

यह सृष्टि की ओर वापस लौटने का संदर्भ नहीं देता। यह नई सृष्टि की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ है मसीह यीशु में उन अच्छे कार्यों के लिए पुनः सृष्टि करना जिन्हें परमेश्वर ने नियुक्त किया था।

आपको उनके अनुसार चलना चाहिए। यह नई आत्मिक सृष्टि का मूल भाव कुलुस्सियों 3.10 में पाया जाता है, जिसे हमने अभी 2 कुरिन्थियों 5:17 और गलातियों 6:15 में देखा है। यह नई सृष्टि एक सामूहिक अवधारणा है, जिसके, बेशक, अलग-अलग अनुप्रयोग हैं।

बाइबल को अमेरिकी चश्मे से पढ़ने की प्रवृत्ति से सावधान रहें। यह, सबसे पहले, एक सामूहिक पुस्तक है। पुराने नियम में इज़राइल और नए नियम में चर्च को संबोधित किया गया है।

दूसरे शब्दों में और वास्तव में, यह निश्चित रूप से हम सभी से व्यक्तिगत रूप से बात करता है। मैं शब्दों को समझता हूँ। नया मनुष्य जो बनाया गया है।

कुलुस्सियों 3:10 में उसे बनाने वाले की छवि के अनुसार नए मनुष्य के समान होना। हालाँकि इफिसियों 4:24 में इमागो देई का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है। मैं निम्नलिखित कारणों से उस अवधारणा के बारे में बात करने के लिए इस श्लोक को समझता हूँ। एक है कुलुस्सियों 3.10 के साथ निकटता। दूसरा, दोनों अंशों में मैं बनाता हूँ, कातिज़ो का उपयोग नई रचना को संदर्भित करने के लिए किया गया है। ईश्वर के अनुसार वाक्यांश, जो ईश्वर की छवि के अनुसार अनुमानित है।

सेप्टुआजेंट में उत्पत्ति 1:27 और इफिसियों 4:24 में कुलुस्सियों 3:10 के बीच समानताओं पर ध्यान दें। सीएल मिटन सहमत हैं, न्यू सेंचुरी बाइबल इफिसियों पर उनकी टिप्पणी है। मिटन सहमत हैं, उद्धरण, इफिसियों में यहाँ शब्द कुलुस्सियों 3:10 से भिन्न हैं। लेकिन स्पष्ट रूप से, अर्थ

एक ही होना चाहिए, उद्धरण बंद करें। ब्रूस कहते हैं, उद्धरण, ईश्वर के अनुसार वाक्यांश का अर्थ ईश्वर की छवि में है।

इस प्रकार मैं समझता हूँ कि इफिसियों 4:24 और कुलुस्सियों 3:10 एक ही विषय पर बात करते हैं। मसीह यीशु में मनुष्य का पुनर्निर्माण मानवजाति में परमेश्वर की मूल छवि के अनुसार है। इफिसियों 4:24 में हम सीखते हैं कि नया मनुष्य परमेश्वर के अनुसार सच्ची धार्मिकता और पवित्रता में बनाया गया था।

चूँकि मसीह में परमेश्वर के साथ मेल खाने वाले मनुष्यों की पुनर्स्थापना में सच्ची धार्मिकता और पवित्रता शामिल है, इसलिए मूल इमागो देई में भी यही शामिल होना चाहिए। यहाँ हम मनुष्य में परमेश्वर की मूल छवि के नैतिक पहलू के बारे में सीखते हैं। आदम बनाया गया था, और हव्वा मूल पवित्रता में परमेश्वर की तरह थी।

यह उत्पत्ति के साथ मेल खाता है, जिसमें आदम और हव्वा पतन से पहले परमेश्वर के साथ संगति में रहते थे। केवल पवित्र प्राणी ही पवित्र परमेश्वर के साथ संगति में रह सकते हैं। हमने उत्पत्ति 1 में परमेश्वर की छवि में मानव प्राणियों के निर्माण के तथ्य को देखा है। हमने मसीह के साथ एकता के आधार पर विश्वासियों में परमेश्वर की छवि के पुनर्निर्माण के बारे में पॉलिन के सिद्धांत का अध्ययन किया।

कुलुस्सियों 3:9 और 10 में हम देखते हैं कि हमारा मन परमेश्वर की आज्ञाकारिता और सेवा में लगाया जा रहा है। हम इसे इफिसियों 4:22-24 में देखते हैं जहाँ छवि के नवीनीकरण का अर्थ है धार्मिकता और पवित्रता में नवीनीकरण। एक बार फिर, यहाँ तर्क दिया गया है।

छवि के नवीनीकरण में धार्मिकता और पवित्रता शामिल है। इसलिए, मूल छवि में भी यही चीज़ें शामिल होनी चाहिए। ऐतिहासिक धर्मशास्त्र के प्रकाश में संक्षेप में कहें और व्यवस्थित विज्ञान की ओर ले जाएँ, तो ज्ञान और धार्मिकता और पवित्रता में यह नवीनीकरण छवि के मूल या संरचनात्मक दृष्टिकोण के पहलू हैं।

आदम और हव्वा अपने निर्माता से इसी श्रृंगार के साथ आए थे। वे पवित्र परमेश्वर के साथ संगति में पवित्र प्राणी थे। और परमेश्वर ने उन्हें ज्ञान, सोचने की क्षमता प्रदान की थी, ताकि वे उसके शब्दों को समझ सकें, ताकि वे उसकी आज्ञा मान सकें और उससे प्रेम कर सकें और उसकी इच्छा पूरी कर सकें और अपने पूरे जीवन उसकी सेवा कर सकें।

तीसरा शीर्षक उत्पत्ति 1 में छवि का तथ्य है, मसीह में छवि की पुनर्स्थापना के बारे में पॉल का सिद्धांत। तीसरा है मसीह के बारे में पॉल का सिद्धांत कि वह परमेश्वर की छवि है। परमेश्वर की छवि के बारे में चर्चाओं में इसे बहुत अधिक नजरअंदाज किया जाता है और ऐसा नहीं होना चाहिए।

वास्तव में, इस पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। पौलुस अपने पत्रों में सिखाता है कि मसीह परमेश्वर की छवि है। 2 कुरिन्थियों 4:4 में, पौलुस इस तथ्य से निपटता है कि कुछ लोग विश्वास करते हैं और अन्य लोग प्रेरितिक प्रचार को अस्वीकार करते हैं।

2 कुरिन्थियों 4:4. उनके विरोधी, और लड़के, वे निश्चित रूप से कुरिन्थियों के पत्राचार में स्पष्ट हैं। उनके विरोधी कह रहे हैं, पॉल, तुम झूठे हो, तुम एक पंथवादी हो, तुम एक झूठे भविष्यद्वक्ता हो। आप दावा करते हैं कि यह सुसमाचार बहुत उज्ज्वल है, और लोग इस पर विश्वास नहीं करते हैं।

हर कोई यीशु के बारे में इस संदेश पर अपने आप विश्वास नहीं कर रहा है। आप अंधेरे में हैं, आपका संदेश झूठा है, आप एक धोखेबाज हैं। बेचारे पॉल को सुसमाचार का बचाव करने के लिए कुरिन्थियन पत्रों में खुद का बचाव करना पड़ता है।

और वह ऐसा करता भी है। वह आघात सहता है, लेकिन वह सुसमाचार को कीचड़ में नहीं घसीटने देता: सुसमाचार और मसीह को।

2 कुरिन्थियों 4:1-6 हमारा ध्यान आकर्षित करता है। इसलिए, इस मंत्रालय का संदर्भ में होना मतलब है कि यह नई वाचा का मंत्रालय है। सुसमाचार का प्रचार करना, जो पुरानी वाचा के मंत्रालय से ज़्यादा शानदार है।

मूसा जब सिनाई पर्वत से नीचे उतर रहा था और उसका चेहरा परमेश्वर की महिमा से इतना चमक रहा था, तो उसे घूंघट ओढ़ना पड़ा। लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते थे। मसीह में नई वाचा की महिमा की तुलना में, मूसा के चेहरे पर वह महिमा, जो वास्तविक थी, पॉल कहते हैं, कोई महिमा नहीं थी।

यह उन तथाकथित पूर्वी तुलनाओं में से एक है। हाँ, वहाँ महिमा थी। लेकिन नए नियम की महिमा इससे कहीं ज़्यादा बड़ी है।

यह उस महिमा को ग्रहण कर लेता है। इसलिए, 2 कुरिन्थियों 4:1, इसलिए, परमेश्वर की दया से इस नई वाचा की सेवकाई के द्वारा, हम हियाव नहीं छोड़ते। परन्तु हमने उसके विरोधियों के कहने के विपरीत, घिनौने और कपटपूर्ण मार्गों को त्याग दिया है।

हम चालाकी करने या परमेश्वर के वचन के साथ छेड़छाड़ करने से इनकार करते हैं, जो उसके शत्रुओं के कथन के विपरीत है। लेकिन सच्चाई के खुले बयान से, हम परमेश्वर की दृष्टि में हर किसी के विवेक के सामने खुद को प्रस्तुत करेंगे। और भले ही हमारा सुसमाचार छिपा हुआ हो, वह स्वीकार करता है कि यह छिपा हुआ है। यह उन लोगों के लिए छिपा हुआ है जो नाश हो रहे हैं।

उनके मामले में, इस संसार के परमेश्वर, शैतान का संदर्भ, ने अविश्वासियों के मन को अंधा कर दिया है ताकि वे मसीह की महिमा के सुसमाचार के प्रकाश को न देख सकें, जो परमेश्वर की छवि है। क्योंकि हम जो प्रचार करते हैं वह स्वयं नहीं है, बल्कि यीशु मसीह प्रभु के रूप में है, और हम यीशु के कारण तुम्हारे सेवक हैं। परमेश्वर, जिसने कहा, अंधकार से प्रकाश चमकने दो, ने हमारे हृदयों में यीशु मसीह के चेहरे में परमेश्वर की महिमा के ज्ञान का प्रकाश देने के लिए प्रकट किया है।

इस पाठ में, पौलुस इस तथ्य से निपटता है कि कुछ लोग विश्वास करते हैं और अन्य लोग प्रेरितिक प्रचार को अस्वीकार करते हैं। वह मसीह की महिमा के प्रकाश की बात करता है, जो परमेश्वर की छवि है, जो वचन की घोषणा में पापियों पर चमकता है। यह महिमामय मसीह है जो सुसमाचार का विषय है।

सृष्टिकर्ता परमेश्वर पापियों को उद्धार संदेश के माध्यम से प्रकाशित करके उनका पुनर्निर्माण करता है। इस पाठ में मसीह परमेश्वर की छवि है, क्योंकि जब सुसमाचार का प्रचार किया जाता है तो वह परमेश्वर की महिमा को दर्शाता है। आह, यह अंश बहुत ही अद्भुत है।

मेरे पास इसे न्यायोचित रूप से बताने का समय नहीं है। यह अविश्वासियों की भयानक दुर्दशा के बारे में बताता है। शैतान, जो हमसे ज़्यादा चालाक और ताकतवर है, ने अविश्वासियों के दिमागों को अंधा कर दिया है, और उद्देश्य खंड बताता है कि क्यों: उन्हें सुसमाचार पर विश्वास करने से रोकना।

उन्हें सुसमाचार की रोशनी और मसीह की महिमा को देखने से रोकने के लिए, जो परमेश्वर की छवि है। लेकिन परमेश्वर, जिसने उत्पत्ति 1 में कहा, अंधकार से प्रकाश चमकने दो, और ऐसा हुआ, उसने पवित्र आत्मा के शक्तिशाली कार्य द्वारा सुसमाचार सुनने पर अपने लोगों के दिलों में अपनी रोशनी चमकने का कारण बना दिया है, और वह शक्तिशाली व्यक्ति, शैतान को हरा देता है, और उन लोगों को मुक्त करता है जो उसके द्वारा बंधे हुए हैं। वह शैतान की अंधेरी आँखों पर विजय प्राप्त करता है और परमेश्वर को, जिसने सबसे पहले प्रकाश बनाया था, पाप और शैतानी अंधेपन के अंधकार में रहने वालों को अलौकिक आध्यात्मिक प्रकाश देने और उन्हें दिव्य रोशनी से बचाने का अधिकार देता है।

यह पुनर्जन्म की भाषा नहीं है। यह अंधकार पर विजय पाने वाले प्रकाश की छवि है। यह दिव्य, प्रभावकारी प्रकाश के रूप में मोक्ष है।

और यह सब सुसमाचार से संबंधित है, जिसका संबंध मसीह की महिमा से है, जो परमेश्वर की छवि है। मसीह परमेश्वर की छवि है, क्योंकि जब सुसमाचार का प्रचार किया जाता है तो वह परमेश्वर की महिमा को दर्शाता है। वास्तव में सुसमाचार के प्रचार के लिए इसके महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

सुसमाचार यीशु के बारे में है। हाँ, हम अपनी गवाही दे सकते हैं, और यह उचित है। ऐसा करना बाइबल के अनुसार है।

लेकिन परमेश्वर जिस सुसमाचार का उपयोग करता है, उद्धार के लिए परमेश्वर का वचन यीशु के बारे में एक वचन है। और परमेश्वर इस वचन को अलौकिक रूप से लेता है और अपने महिमावान पुत्र को महिमा देता है, जो पापियों के लिए मरा और तीसरे दिन फिर से जी उठा। वह लोगों के जीवन में उद्धार का कार्य करता है। यह हमें सुसमाचार को साझा करने में आत्मविश्वास देता है क्योंकि ऐसा करने से मसीह की महिमा होती है।

और जैसे-जैसे परमेश्वर कार्य करता है, हमारा उद्देश्य है कि मसीह के और अधिक महिमावान लोग राज्य में शामिल हों और इस महान प्रभु यीशु की आराधना में हमारे साथ शामिल हों। कुलुस्सियों 115 में, मसीह को परमेश्वर की छवि कहा गया है। कुलुस्सियों 1. वह अदृश्य परमेश्वर की छवि है, सारी सृष्टि में ज्येष्ठ है।

क्योंकि उसी के द्वारा स्वर्ग और पृथ्वी की सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, चाहे दृश्य हो या अदृश्य, चाहे सिंहासन, चाहे प्रभुता, चाहे शासक, चाहे अधिकारी, सारी वस्तुएँ उसी के द्वारा और उसी के लिए सृजी गई हैं। और वही सब वस्तुओं से पहले है, और उसी में सब वस्तुएँ एक साथ टिकी हुई हैं। और वही शरीर, अर्थात् कलीसिया का मुखिया है।

वह शुरुआत है, मरे हुओं में से ज्येष्ठ है, ताकि जो कुछ भी उसके पास है, उसमें वह प्रमुख हो। क्योंकि यह उसे अच्छा लगा, क्योंकि उसमें परमेश्वर की सारी परिपूर्णता वास करने के लिए प्रसन्न थी। और उसके क्रूस के लहू के द्वारा शांति स्थापित करके, उसके द्वारा सब वस्तुओं को अपने साथ मिला लेना, चाहे वे पृथ्वी की हों या स्वर्ग की।

यह एक शानदार संदर्भ है जो दिखाता है कि मसीह सृष्टि की सभी चीज़ों में सर्वोच्च है क्योंकि वह सृष्टि में परमेश्वर का प्रतिनिधि था। और वह उस सृष्टि को बनाए रखने में ईश्वरीय कार्य करता है। और वह सृष्टि न केवल उसके द्वारा बनाई गई थी बल्कि उसके लिए बनाई गई थी।

वह उत्तराधिकारी है। अंत में उसे सब कुछ मिलेगा। इसलिए, वह सृष्टि का स्वामी है और इस प्रकार उस क्षेत्र में सर्वोपरि है।

वह पुनर्निर्माण में भी प्रभु है, जो उसके शरीर, चर्च की बात करता है। कुलुस्सियों 1:15 में, सृष्टि के संदर्भ में, पौलुस मसीह को अदृश्य परमेश्वर की छवि कहता है। उसका मतलब है कि यीशु का अवतार , परमेश्वर का पुत्र, शाश्वत पुत्र का अवतार, जिसे यीशु के नाम से जाना जाता है, वह अदृश्य परमेश्वर का दृश्य प्रतिनिधित्व है।

यीशु ईश्वर का अवतार है। अदृश्य ईश्वर मसीह यीशु में दृश्यमान हो गया है। फिलिप, तुम क्यों कहते हो, हमें पिता दिखाओ , यूहन्ना 14? क्या तुम नहीं समझते? मैं पिता में हूँ , और पिता मुझ में है।

जब आप यीशु को देखते हैं, तो आप पिता को देखते हैं। वह ईश्वर की छवि है। मेरा इरादा टेनिस के चित्रण का उपयोग करने का नहीं था, लेकिन यहाँ एक और उदाहरण है।

डॉक्टरेट की पढ़ाई के दौरान, मेरी पत्नी ने एक दोस्ताना रेस्टोरेंट में एक दोस्ताना वेट्रेस के रूप में काम किया। वास्तव में, वह इतनी मिलनसार है कि वह मुसीबत में पड़ गई। अगर आप मेरी पत्नी मैरी पैट को जानते हैं, तो आप समझ जाएँगे, और आप हँसेंगे क्योंकि वह इस तरह काम करती थी... उसने मुझे मैडिसन, न्यू जर्सी में ड्रू यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल में ऐतिहासिक धर्मशास्त्र का अध्ययन करने के लिए डॉक्टरेट की पढ़ाई में मदद की।

वह एक दोस्ताना वेट्रेस के रूप में काम करती थी, और उसे यह भी नहीं पता था कि सिल्वर डॉलर पुरस्कार जैसी कोई चीज़ होती है, लेकिन एक उच्च अधिकारी गुप्त रूप से अलग-अलग दुकानों पर जाता था, और अगर उसे असामान्य सेवा दिखती थी, तो वह सिल्वर डॉलर पुरस्कार देता था। यह हमेशा दिया भी नहीं जाता था, लेकिन आप जानते हैं कि कहानी कैसी है। उसने इसे जीता, और वह वहाँ एक साल से भी कम समय से काम कर रही थी और वहाँ लंबे समय से काम करने वाले अन्य लोगों को यह नहीं मिला और वे इतने खुश नहीं थे, लेकिन दूसरी ओर, मेरी पत्नी का पूरा व्यक्तित्व, वे उससे नाराज़ नहीं हो सकते थे।

किसी भी मामले में, वह रैंडी नामक एक युवक के साथ काम करती थी, और वह एक टेनिस खिलाड़ी था। मैं अभी भी खेल से इतना दूर नहीं था कि मैं उसे हरा सकता था, और इस तरह, वह मेरे साथ खेलना चाहता था। वह एक नाममात्र का यहूदी व्यक्ति था और मैं उसके साथ टेनिस खेलने के लिए सहमत हो गया और यहां तक कि उसके स्ट्रोक पर थोड़ी मदद करने और उसे कुछ रणनीति सिखाने के लिए भी तैयार हो गया, अगर वह मेरे साथ मार्क का सुसमाचार पढ़ेगा। हमने यही किया और मैं आपको बताना चाहता हूं कि वह आश्चर्यजनक रूप से बच गया था, लेकिन मैं नहीं बता सकता, लेकिन एक दिन पवित्र आत्मा ने काम किया और वह बच गया।

मुझे याद नहीं कि हम किस अध्याय पर थे, मार्क का चार या पाँच या कुछ और और हमने समय का एक अध्याय किया। हम, आप जानते हैं, घंटों पढ़ाई में नहीं बिताते थे, लेकिन हम अंश पढ़ते और उसके बारे में बात करते, और फिर हम टेनिस खेलने जाते, और जब तक मैं उसे हरा देता, वह वैसे भी इसे खेलना जारी रखने में दिलचस्पी रखता था। यह बहुत मजेदार था , और वह एक अच्छा साथी था।

वास्तव में हमारी अच्छी दोस्ती थी, जो मेरी पत्नी के साथ दोस्ताना रेस्तरां में उनके संपर्क में आने से शुरू हुई थी। तो एक दिन हम ऐसा कर रहे थे, और मैं बात कर रहा था, और वह कहता है, एक मिनट रुको, वह कहता है, एक मिनट रुको, मुझे लगता है कि मुझे समझ आ गया है। मैंने पूछा, तुम्हें क्या समझ आया? क्योंकि हम मार्क के माध्यम से पढ़ रहे हैं।

वह कहते हैं कि मुझे लगता है कि मैं समझ गया हूँ। अगर हम देखना चाहते हैं कि अगर परमेश्वर बोलता तो क्या कहता, तो हमें देखना चाहिए कि यीशु क्या कहता है। मैं ऐसा ही सोचता हूँ, और अगर हम देखना चाहते हैं कि अगर परमेश्वर इस दुनिया में काम करता तो क्या करता, तो हमें वही करना चाहिए जो यीशु ने किया, देखना चाहिए कि यीशु ने क्या किया।

मैंने कहा, हलेलुयाह, हलेलुयाह। मैं इस बात से उत्साहित था क्योंकि उसके पास एक अंतर्दृष्टि थी, और मुझे लगता है कि भगवान ने उसे वह अंतर्दृष्टि दी थी। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ।

कुछ समय बाद, मुझे लगता है कि हम दोनों के बीच दोस्ती खत्म हो गई। मैं तो भूल ही गया। उसका दोस्त होना और टेनिस खेलना सौभाग्य की बात थी।

लड़के, मेरे लिए यह देखना रोमांचक था कि प्रभु ने उसके जीवन में काम किया और उसे कम से कम आंशिक रूप से सत्य के प्रति प्रकाशित किया। मुझे आशा है कि वह वास्तव में प्रभु को जान गया होगा। कुलुस्सियों 1:15 में मसीह को अदृश्य परमेश्वर की छवि, प्रतीक कहा गया है।

अगले शब्द, सारी सृष्टि में ज्येष्ठ, का अर्थ है सर्वोच्च, पूरी सृष्टि में श्रेष्ठ क्योंकि, या के लिए, संयोजन है, सभी चीजें उसके द्वारा बनाई गई थीं। यीशु सृष्टि में प्रथम स्थान के हकदार हैं क्योंकि वह सृष्टि में पिता के प्रतिनिधि थे। ज्येष्ठ का वह प्रयोग, निश्चित रूप से, याकूब के दूसरे जन्मा होने जैसे स्थानों से आता है , लेकिन ज्येष्ठ पुत्र बन गया, ज्येष्ठाधिकार प्राप्त करने के कारण उसने एसाव को पीछे छोड़ दिया, और भजन 89, मसीहा की बात करते हुए, मैंने उसे अपना ज्येष्ठ पुत्र बनाया है, जो पृथ्वी के राजाओं में सर्वोच्च है।

इस प्रकार, 2 कुरिन्थियों 4:4 और कुलुस्सियों 1:15 में, यीशु परमेश्वर की छवि है। दो अन्य अंशों में, पौलुस स्पष्ट रूप से मसीह को परमेश्वर की छवि नहीं कहता है, बल्कि उद्धारकर्ता को उस छवि के रूप में मानता है जिसके अनुरूप विश्वासी बनेंगे। रोमियों 8:29 में, पौलुस उद्धार के लक्ष्य को विश्वासियों की महिमा या दूसरे शब्दों में, मसीह की छवि के अनुरूप होने के रूप में प्रस्तुत करता है।

रोमियों 8:28 पवित्रशास्त्र में सबसे अधिक परिचित आयतों में से एक है। हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उनके लिए सभी बातें मिलकर भलाई ही उत्पन्न करती हैं, जो उसके उद्देश्य के अनुसार बुलाए गए हैं।

क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जान लिया था, उन्हें पहले से ठहराया भी है। और जिन्हें उसने पहले से ठहराया था, उनमें से कुछ को छोड़ कर, उन्हें बुलाया भी है। और जिन्हें उसने बुलाया था, उन्हें धर्मी भी ठहराया है।

जिन लोगों को उसने धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी। हम जानते हैं कि परमेश्वर अपने लोगों की भलाई के लिए सब कुछ करता है, रोमियों 8 की आयत 28 क्योंकि अगली दो आयतें दिखाती हैं कि परमेश्वर ने उनके लिए सबसे बड़ी भलाई के लिए काम किया है। उसने शुरू से लेकर अंत तक उनके उद्धार की योजना बनाई और उसे पूरा किया।

पॉल पाँच भूतकाल क्रियाएँ और पाँच अओरिस्ट क्रियाएँ इस्तेमाल करता है: परमेश्वर ने पहले से जान लिया, पहले से नियत किया, बुलाया, न्यायोचित ठहराया और अपने लोगों को महिमा दी। आप कहते हैं, एक पल रुकिए, महिमा भविष्य है। यह है, लेकिन यह वही सरल भूतकाल क्रिया है।

इसलिए, पौलुस जो कह रहा है वह यह है कि विश्वासी लोग महिमावान हैं। परमेश्वर का कार्य उसके लोगों के विद्रोह, पापों और संघर्षों के बावजूद निराश नहीं होगा। वह उन्हें अंतिम उद्धार के लिए सुरक्षित रखेगा।

बाइबिल के संतुलन के अनुसार, मुझे कहना चाहिए कि जो लोग परमेश्वर के लोग हैं वे अपने पापों को स्वीकार करते हैं, परमेश्वर के लिए जीते हैं, और अनुग्रह में बढ़ते हैं। मैंने उन पाँच क्रियाओं के

कारण एक भाग छोड़ दिया। जिन्हें परमेश्वर ने पहले से जान लिया था, जिसका अर्थ मैं पहले से प्यार किया हुआ, पूर्वनिर्धारित, उद्धार के लिए पहले से चुना हुआ, बुलाया हुआ, जिसका अर्थ है सुसमाचार के माध्यम से प्रभावी रूप से अपने पास बुलाया हुआ, न्यायोचित, मसीह की धार्मिकता के आधार पर अपने दिव्य स्वर्गीय न्यायाधिकरण के समक्ष धर्मी घोषित किया हुआ, और महिमावान, अर्थात्, वह उनके साथ मसीह की महिमा साझा करेगा।

यह केवल दूसरे अध्याय में ही है जिसे पौलुस ने विस्तार से बताया है। हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उनके लिए सभी बातें मिलकर भलाई के लिए काम करती हैं, जो उसके उद्देश्य के अनुसार बुलाए गए हैं। जिन लोगों को उसने पहले से जान लिया था, उनके लिए उसने पहले से ही नियति भी कर दी थी, और यहाँ पौलुस ने विस्तार से बताया है कि उसने उन लोगों को पहले से ही नियत कर दिया था कि वे उसके पुत्र की छवि के अनुरूप हों, ताकि वह बहुत से भाइयों में ज्येष्ठ हो।

रोमियों 8:29 में, पौलुस उद्धार के लक्ष्य को मसीह की छवि के अनुरूप विश्वासी के रूप में प्रस्तुत करता है। मसीह परमेश्वर का सर्वोच्च पुत्र है, बड़े अक्षर S, जिसके अनुरूप परमेश्वर के बच्चे युगांतिक रूप से ढल जाएँगे क्योंकि परमेश्वर हमें ढलने के लिए प्रेरित करेगा। वह हमें बदल देगा, 1 कुरिन्थियों 15।

मसीह हमारा बड़ा भाई है, कैपिटल बी, और परमेश्वर की कृपा और आत्मा द्वारा पारिवारिक समानता के कारण, वे महिमा में उसके समान होंगे। इसलिए, परमेश्वर की छवि शब्द का उपयोग नहीं किया गया है, लेकिन विचार वहाँ है क्योंकि छवि शब्द उस विचार को जगाने के लिए पर्याप्त है, क्योंकि यह हमारे द्वारा उसकी छवि के अनुरूप होने की बात करता है, क्योंकि अनुग्रह से परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियाँ उसकी छवि के अनुरूप थे जो स्वभाव से अनंत काल तक परमेश्वर का पुत्र है। मनोरंजन के संदर्भ में, हमने इन अंशों में देखा है, है न? 1 कुरिन्थियों 15:49 में पॉल सिखाता है कि विश्वासी अमरता में मसीह, दूसरे आदम की छवि को धारण करेंगे, जैसे उन्होंने नश्वरता में आदम की छवि को धारण किया है।

1 कुरिन्थियों 15 की शुरुआत आयत 45 से होती है। पहला मनुष्य, आदम, एक जीवित प्राणी बन गया। हमने इस पाठ्यक्रम के अपने पहले व्याख्यान में इसे देखा। अंतिम आदम एक जीवन देने वाली आत्मा बन गया।

क्या यह यीशु के शारीरिक पुनरुत्थान को नकारना है? क्या यह पुनरुत्थान अध्याय में यीशु के शारीरिक पुनरुत्थान को नकारना है? नहीं, बिलकुल नहीं। यह कहने का मतलब यह है कि यीशु पवित्र आत्मा के साथ इतने जुड़े हुए हैं कि, आर्थिक रूप से कहें तो, उन्हें पवित्र आत्मा कहा जा सकता है। लेकिन यह आध्यात्मिक नहीं है जो पहले आया, बल्कि प्राकृतिक, और फिर आध्यात्मिक।

पहला आदमी, आदम, जिसका नाम का मतलब धूल से बना हुआ है, कुछ ऐसा ही था, धरती से था। धूल से बना हुआ आदमी। दूसरा आदमी स्वर्ग से है।

यही उसका मूल है। वह एक दिव्य पुत्र है जो स्वर्ग से धरती पर आया है। अवतार में, जैसे धूल का आदमी था, वैसे ही वे भी हैं जो धूल से बने हैं।

यदि हम यीशु के लौटने से पहले मर जाते हैं तो हम मरकर मिट्टी में मिल जाएँगे। और जैसा स्वर्ग का मनुष्य है, वैसा ही स्वर्ग के लोग भी हैं। जिस तरह हमने मिट्टी के मनुष्य आदम की छवि को धारण किया है, उसी तरह हम स्वर्ग के मनुष्य, प्रभु यीशु मसीह की छवि को भी धारण करेंगे।

हम उसके जैसे बनेंगे। परमेश्वर हमें मसीह की समानता में ढाल देगा। पुनर्निर्माण के संदर्भ में, 1 कुरिन्थियों 15:49 में, पौलुस सिखाता है कि विश्वासी अमरता और जीवन और पुनरुत्थान में मसीह, दूसरे आदम की छवि धारण करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने नश्वरता, मृत्यु और पाप में आदम की छवि धारण की है।

यहाँ, यह मसीह के महिमामय शरीर के अनुरूप होना है, जो हमारे उद्धार का लक्ष्य है। मनुष्य में परमेश्वर की छवि के हमारे अध्ययन में ये चार अंश क्या योगदान देते हैं? पौलुस के वे कौन से अंश हैं जो मसीह को परमेश्वर की छवि के रूप में बताते हैं? यह हमें मानवशास्त्रीय विचार को समझने में कैसे मदद करता है कि मनुष्य परमेश्वर की छवि में बनाए गए हैं? 2 कुरिन्थियों 4:4 और कुलुस्सियों 1:15, पहले दो अंश जिनका हमने अध्ययन किया, सिखाते हैं कि प्रभु यीशु परमेश्वर की छवि है। वह सुसमाचार के प्रचार में परमेश्वर की महिमा को दर्शाता है, 2 कुरिन्थियों 4। अपने अवतार में, वह अदृश्य परमेश्वर को प्रकट करता है, कुलुस्सियों 1:15।

आदम और हव्वा को परमेश्वर की छवि में बनाया गया था। मनुष्य के रूप में, यीशु मसीह परमेश्वर की छवि है। देहधारी मसीह इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है कि मनुष्य को क्या होना चाहिए।

वह पूरी तरह से, संज्ञा से क्रिया में छवि को बदलते हुए, मानव शरीर में परमेश्वर को पूरी तरह से प्रतिबिम्बित करता है। इसका तात्पर्य यह है कि हमें परमेश्वर की छवि के बारे में अधिक जानने के लिए सुसमाचारों में यीशु के जीवन के बारे में पढ़ना चाहिए। अन्य दो पॉलिन अंश जो मसीह को छवि के रूप में प्रस्तुत करते हैं, रोमियों 8:29 और 1 कुरिन्थियों 15:49 मानव जाति में परमेश्वर की छवि के हमारे अध्ययन में एक अतिरिक्त योगदान देते हैं।

यहाँ, मसीह वह युगांतिक लक्ष्य है जिसके अनुसार उद्धार पाए हुए पुरुष और महिलाएँ अनुरूप होंगे। परमेश्वर की संतानें ज्येष्ठ पुत्र की महिमा को साझा करेंगी, रोमियों 8:29। आदम के स्वरूप वाले दूसरे और अंतिम आदम के स्वरूप वाले होंगे जब उन्हें अमरता का वस्त्र पहनाया जाएगा।

1 कुरिन्थियों 15:49. इस प्रकार मसीह यीशु मानव प्राणियों में परमेश्वर की छवि का आदर्श, 2 कुरिन्थियों 4, कुलुस्सियों 1, तथा युगांतिक लक्ष्य, रोमियों 8, 1 कुरिन्थियों 15, दोनों है। हमारे अगले व्याख्यान में, हम सेवानिवृत्त प्रोफेसर रॉबर्ट सी. न्यूमैन के कार्य को देखकर परमेश्वर की छवि के अध्ययन को जारी रखेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 6 है, मसीह में छवि की पॉलिन पुनर्स्थापना, इफिसियों 4:22-24।